Master semester III 2024 - 2025 - दिनांक - 04/09/26 -

शिकागो स्कूल के योगदान का वर्णन।

मनोविज्ञान के प्रकार्यवादी सम्प्रदाय का प्रारंभ और विकास अमेरिका में हुआ, इस सम्प्रदाय का आरंभ सन् - 1894 के लगभग शिकागो विश्व विद्यालय से माना जाता है। इसीलिए इसे कभी-कभी शिकागो सम्प्रदाय भी कहा जाता है। इस सम्प्रदाय के आरंभ - कर्ता - थे, जॉन डीवी एंजेल और हार्वे कार - एंजेल - की नियुक्ति शिकागो विश्व विद्यालय में - मनोविज्ञान विभाग - के निदेशक के रूप में हुई थी, वह एक प्रभावशाली मनोवैज्ञानिक था, जहाँ पर उसका संबंध हार्वे कार से स्थापित हुआ, जो कि व्यक्तिवादी के प्रतिनिधि था, और - उन्होंने एंजेल की लगभग दस वर्ष की बात था, दोनों के सम्मिलित रूप से मनोविज्ञान का व्यावहारिक विकास और प्रकार्यवाद की नींव दिये, प्रकार्यवाद का विकास वास्तव में टिचनर के संरचनावाद की प्रतिक्रिया के रूप में हुआ था, संरचनावाद में मानसिक तत्वों की प्रक्रियाओं की वस्तु के रूप में स्वीकार किया गया है। जबकि प्रकार्यवाद में उसको इस रूप में नहीं माना गया - प्रकार्यवाद के अनुसार मानसिक तत्व व प्रक्रियाएं गतिशील होती हैं - एक निश्चित उद्देश्य के लिए होती हैं - और निरन्तर परिवर्तित होती हैं - इसके अध्ययन के व्यावहारिक पक्षों माना है - अमेरिका में इसे अमेरिका की व्यावहारिक प्रवृत्ति प्रकार्यवाद है।

शिकागो यूनिवर्सिटी के अतिरिक्त कोलंबिया विश्व विद्यालय में भी प्रकार्यवाद का अध्ययन हुआ प्रकार्यवादी मनोविज्ञान के अंतर्गत मानसिक क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है - प्रकार्यवाद यह मानता है, कि मानसिक क्रियाएं उद्देश्य और उपयोगी होती हैं, इसकी उपयोगिता करता है - प्रकार्यवाद में मन की संरचना की ओर ध्यान नहीं दिया जाता।

इसमें यह माना जाता है, कि मन और शरीर में सम्बन्ध-समायोजन है। जिसके आधार पर समस्त मानसिक क्रियाएं होती है, अन्य शब्दों में हम कह सकते हैं कि प्रकार्यवाद का उद्देश्य यह है, कि व्यक्ति अपने पर्यावरण से किस प्रकार समायोजन स्थापित करता है। प्रकार्यवाद मन और शरीर को दो भिन्न-भिन्न नहीं मानता उनको अलग-अलग मानता है। जो बाह्य रूप से दो प्रतीत होते हैं। परन्तु वास्तव में एक ही है। समस्त मानसिक क्रियाएँ दोनों के समायोजन को बतलाती है। इसका अध्ययन प्रकार्यवाद की विषय-वस्तु है।

प्रकार्यवादी सम्प्रदाय का मनोविज्ञान में विशेष योगदान है। इसका अध्ययन इस प्रकार्यवादी मनोवैज्ञानिकों ने प्रकार्यवादी तत्त्वों के आधार पर डीवी - जो मनोवैज्ञानिक था, जेम्स, इन्जल-एन्जेल और हार्वे कार, प्रकार्यवाद का विकास करने का श्रेय मुख्य रूप से मनोवैज्ञानिकों को प्राप्त है। इनके योगदानों का क्रमवार अध्ययन निम्नलिखित है। शिकागो में प्रकार्यवाद को विकसित करने वाले तीन प्रमुख मनोवैज्ञानिक हुए।

जेम्स इन्जल - इन्जल प्रकार्यवाद के संस्थापकों में एक थे - इन्होंने डीवी के साथ मिलकर प्रकार्यवाद सम्प्रदाय का प्रारंभ किया था उपयोगिता पर अधिक बल देता था, वह कहता था, कि मनोविज्ञान का अध्ययन स्वाभाविक विषय होना चाहिए। क्योंकि इसके अनुसार मन शरीर और व्यक्ति के समायोजन की क्रममाला का परिणाम है। इन्जल का दृष्टिकोण मानवादी था, क्योंकि वह मानवादी प्रकृति को स्वाभाविक मानता था, यह उसके अनुसार है। कि मानवादी दृष्टिकोण का ही प्रकार्यवाद आधार है। [illegible]